

तरसी तरसी रे नजरियाँ आज मनमोहना

तरसी तरसी रे नजरियाँ
आजा मनमोहना,
सुनी सुनी धग्रिया
आजा मनमोहना,

तरसी तरसी रे नजरिया
आजा मनमोहना,
बिरहा अगन को सहते
सहते सूखे अनसु बेहते बेहते,

रूठा सांवरिया
आजा मनमोहना,
तरसी तरसी रे नजरिया
आजा मनमोहना...

जाने कब धरकन
रुक जाये,
सदा के लिए
पलके झुक जाये,

लेले खबरिया अब
तो मनमोहना,
तरसी तरसी रे
नजरिया आज्ञा मनमोहना.....

सुना पड़ा है
कदम पे झुला,
सावन भी अब
बरसना भुला,

खाली गगरिया
आज्ञा मनमोहना,
तरसी तरसी रे
नजरिया आज्ञा मनमोहना...

सदियों से दर्शन
की चाह में,
सुंदर लाल खड़ा
बीच रह में,

बीती उमरिया
आज्ञा मनमोहना,
तरसी तरसी रे
नजरिया आज्ञा मनमोहना...

Source:

<https://www.bharattemples.com/tarsi-tarsi-re-najariya-aaja-manmohana-suni-suni-ghagriya-aja-manmohana/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>